उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : मैं खबर ले रहा हूं, बोला न आपको।

श्री नरेश यादव : इस पर हमें सरकार से जवाब चाहिये।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : मैं खबर ले रहा हूं बोला न आप को।

श्री नरेश यादव : सरकार 7 घंटे से क्या रही है? वहां रोज-रोज लोग बाढ़ से मर रहे हैं ....(**व्यवधान**)... पूरी भुखमरी की समस्या है, खाने के लिए अनाज नहीं है। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : आप ने वह बात बोल दी है।

श्री नरेश यादव : यह सौतेला व्यवहार केन्द्रीय सरकार का बिहार से क्यों हो रहा है ? पूरा बिहार जलमग्र है ....(**व्यवधान**)... इसलए मैं आप से कह रहा हूं कि सराकर की ओर से जवाब आना चाहिये ....

श्री खान गुफरान जाहिदी (उत्तर प्रदेश) : वाइस-चेयरमैंन साहब, आप सरकार से कह सकते हैं। स्टेटमेंट अभी नहीं आया है, तो सरकार के जो भी मिनिस्टर है, उन को आप डायरेक्ट कर सकते हैं। मान्यवर, आप कह सकते हैं कि वह स्टेटमेंट जल्दी भेजें। आज न दें तो कल सुबह तक दे दें। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : उस की खबर ले रहा हूं।

श्री खान गुफरान जाहिदी : आप को कहना पडेगा ....(**व्यवधान**)... आप रूलिग दीजिये। ....(**व्यवधान**)...

श्री नरेश यादव : आप का निर्देश चाहिये। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनानत बिसि) : मैं निर्देश दूंगा। आप बैठिए, मैं निर्देश दूंगा।

श्री नरेश यादव : सुबह से बैठे हुए हैं, कुछ तो आश्वासन चाहिये। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : बैठिए, न मैं निर्देश दूंगा। मैं निर्देश दूगा । केरल की फ्लड सिचुएशन की बात आई है, उनको बोलने दीजिये। आपके केरल के भाई बोलना चाहते हैं। केरल की फ्लड सिचुएशन के बारे में उन का स्पेशल मेंशन है।

श्री नरेश यादव : आखिर पूरे देश का यह सिचुएशन है। ....(**व्यवधान**)...

श्री मती सरोज दुबे : श्रीमन्, हम आधा मिनिट में बात कह देंगे। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : मैं बोल रहा हूं, बैठिए न। मैडम, आप ने अपना पाईट उठा दिया, अब उन्हें बोलने दीजिये।

श्री नरेश यादव : हम किसी को कहां रोक रहे हैं?

उपसभध्यक्ष(श्री सनातन बिसि) : आप वहीं चीज रिपीट कर रहे हैं। नरेश जी, आप वही चीज रिपीट कर रहे हैं। मैं ने कहा कि, बोल रहा हूं।

श्री नरेश यादव : मान्यवर, 77 लाख हैक्टेयर जमीन में से 45 लाख हैक्टेयर पानी से घिरी हुई है। ....(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : तो आप दूसरे सदस्य को नहीं बोलने देंगे?

श्री नरेश यादव : बोलने देंगे।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : इस का तो यही मतलब हुआ।

श्री नरेश यादव : आप का आदेश सिर आंखों पर।

श्रीमती सरोज दुबे : लेकिन खबर भेज दीजिये।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : स्पेशल मेंशन। फलड सिचुएशन इन केरला।

SPECIAL MENTIONS

Flood Situation in Kerala

SHRI M. J. VARKEY MATTATHIL (Kerala): Mr. Vice-Chairman, Sir, I thank you for giving me this opportunity to speak. This is my maiden speech in this august House. I thought that I would be able to make a very pleasant maiden speech. I just came back from Kerala by five o' clock flight. The people of Kerala are really bereaved due to the air accident at the Cochi airport. Secondly, the flood situation in Kerala is worsening every day. The south west monsoon has set in about two months back and the torrential rain for the last twenty-four hours and the continuous rains over the last few days have caused a great damage to the properties in the State. So many

human lives have been lost. With your permission, may I read out the actual report of what has happened in Kerala?

The south-west monsoon has been vigorous in most parts of the State during the last few weeks. As a result of heavy rain, storm, land-slides, land slips etc. there have been a heavy loss of human lives. The loss to agriculture will also come to several crores of rupees. The public properties worth crores of rupees have been lost. So far, 85 human lives have been lost and 206 persons have been injured due to natural calamities. I don't want to go into the details because I have already given copies of that.

A total number of 1232 houses have been fully damaged and 1783 houses have been partially damaged. The damage on this account is estimated to be about Rs. 1545 lakhs. During this monsoon season 53 relief camps have been opened and 1188 families have been sheltered in the camps; 179 families are still living in the relief camps. Food, clothing and medical assistance is being given to the families living in the relief camps.

Heavy landslide has taken place in Pathenamthitta, Idukki and Kannur Districts. As a resuh of the landslide in Pethanamthitta District, three persons have lost their lives and six persons have been injured. Three houses along with the house sites have been washed away in the landslide in Seethathode of Pathanamthitta District. Acres of agricultural land have been washed away. This land has become unsuitable for cultivation. One PWD road the day before yesterday has been completely washed away and the traffic is not going through. In Idukki District, one person died due to landslide and three persons were injured. Acres of land have been affected, Sir. One bridge on national highway No. 49 has been damaged. In Kannur District, landslide has taken place in Kanichor of Thalassery Taluk. The road traffic through Thalassery—^Manan-thoavady road has become impossible. In all tnese places relief operations are goin^ on.

A huge loss to agricultural sector has also taken place. Crops like rubber, plantain, paddy, coconut etc. have been damaged causing a loss of crores of rupees. The preliminary information received show that the State has suffered a loss of at least 50 crores of rupees since May 31. The actual loss is being assessed by the Agriculture Department. Assistance will be given to the victims after completing the assessment.

A large scale sea erosion has taken place in Kollam, Alappuzha, Emakulam, Trissur, Malappuram, Kozhikode, Kasaragod Districts rendering 1395 families homeless. Sea walls have been washed away and damaged in these Districts, besides the coastal roads. The Irrigation and Public Works Departments are assessing the loss in this regard. Massive damages have taken place to the rural roads and the PWD roads. Several village roads and major roads in the Districts have become so damaged that the traffic has to be diverted. There would be a loss of at least 200 crores ol rupees. My respected colleague, Rajagopalji, is sitting here. He is also from Kerala. Sir, I have just come from Cochin by the evening flight. The people, especially the poor people living in the coastal areas and in the hill areas, are suffering badly. I request the Government of India, through you, Mr. Vice-Chairman, to render whatever help that is possible to the people of Kerala. Sir, it is my maiden speech. Thank you very much for hearing me. I hope the Government will consider my appeal.

SHRI O. RAJAGOPAL (Madhya Pradesh): Sir, I would like to associate myself with the views expressed by Shri Mattathil. It is a matter for consideration.

SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN (Kerala): Sir, I am associating myself with the views expressed by my colleague. The people of Kerala are quite accustomed with the rainy season. The Government should send a Central team

to Kerala to assess the things and to give immediate relief. The problem is the terrain of Kerala is different. ...*(interruptions)*... Unless a team from the Centre goes there and makes the assessment, the Central Government won't give the assistance. The terrain in Kerala is different because within 24 hours the water will reach the sea. That problem is there. So, immediate relief should be given. Secondly, regarding the assistance to be given to the families of those who had died, in Gujarat, a gesture was shown, during the natural calamities, in Gujarat, the victims had been given money from the Prime Minister's Relief Fund. My humble submission is that assistance should be given from the Prime Minister's Relief Fund to the victims of the flood in Kerala also.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Shri Poulose—not here. Shri Ahammed Haji—^not here. Shri Lajpat Rai—not here. Sardar Balwinder Singh Bhundar—not here. Shri Dara Singh Chauhan.

Alleged misuse of C.B.I, by central government to frame social workers and political leaders in false cases

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आज हम आपके माध्यम से सदन में एक बहुत गंभीर मसले पर चर्चा करना चाहते हैं और कहना चाहते हैं कि आज तक जितनी भी सरकारें बनी है, किसी भी सरकार ने सी.बी.आई. का दुरूपयोग नंहीं किया, लेकिन वर्तमान जो सराकर है, वह सी.बी.आई. को एक हथियार के रूप में और अपने विरोधी राजनीतिक दलों के नेताओं को बदनाम करने के लिए उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने के लिए गलत तरीके से उसका दुरूपयोग कर रही है । जिस सी.बी.आई पर आम जनता को भरोसा था, आज उस सी.बी.आई. से इस देश की जनता का भरोसा उठा रहा है ।

उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि हमारी बहन, समाजवादी पार्टी की जो राष्ट्रीय उपाध्यक्षा है और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य मंत्री रही है, उनको यह वर्तमान सरकार, सी.बी.आई. को एक हथियार बनाकर गलत तरीके से मुकदमें में फसाने की साजिश कर रही है और इस विषय पर हम चर्चा करना चाहते हैं ।

मान्यवर, पहली बार वे मुख्य मंत्री बनी उत्तर प्रदेश की ओर 17 अक्तूबर, 1995 को उन्होंने रिजाइन कर दिया, लेकिन फलोटिंग पम्प केस में उनको फंसाने की साजिशें जारी है । 27 दिसम्बर, 1995 को प्रेजीडेंट रूल के समय, जब मायावती जी उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री नहीं रहीं, 300 पम्प का आर्डर किया गया । इसके बाद 20 मई, 1996 को तत्कालीन राज्यपाल ने 157 रूपए प्रति पम्प खरीदने का आदेश दिया और 31 मार्च तक सारे पैसे का भुगतान करने का भी आदेश दे दिया । इसके बाद जब दोबारा वह 21 मार्च, 1997 को मुख्य मंत्री बनी तो उत्तर प्रदेश के 6 वरिष्ठ अधिकारी, जो उससे रिलेटिड थे, उनकी समिति बनाई गई और डेढ़ साल बाद, जबकि टेंडर काल लियागया था प्रेजीडेंट रूल में, जो 141 पम्प बाकी बचे रहे , उसके लिए 6 वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई गई और इस डेढ साल में जबकि महंगाई बढ़ी , रूपए का अवमूल्यन हुआ, इंटरनेशनल मार्किट में उस पम्प का भाव बढ़ा, इसके बावजूद भी मुख्य मंत्री रहते हुए उन्होंने, जिस रेट पर पूर्व राज्यपाल ने टेंडर किया था और खरीददारी की थी, उसी रेट पर उन्होंने उसे खरीदा । लेकिन, मान्यवर, 19 अक्तूबर, 1997 को जब हमारी नेता ने सरकार से समर्थन वापिस लिया तो ठीक उसके एक दिन बाद, अगले दिन, हमारे आज के जो मुखिया हैं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री है उत्तर प्रदेश के उन्होंने सैंटल गवर्नमेंट को लिखा कि इस मामले की सी.बी.आई. से जांच कराई जाए । लेकिन मैं आपसे कहना चाहता हूं कि 28 मार्च, 1998 तक यह मामला दर्ज नहीं हुआ, 6 महीने तक यह मामला दर्ज नहीं हुआ । आखिर क्या कारण है? इससे साफ जाहिद होता है कि वर्तमान सरकार सी.बी.आई. को एक हथियार बनाकर इस देश में रहने वाले गरीब, दलित, शोषित समाज के लोगों, पिछड़े वर्ग के लोगों, चूंकि मायावती जी दलित समाज में पैदा हुई है इस नाते सारे मुल्क के दलित-शोषित वर्ग के लोग उनके पीछे खडे हैं, इसलिए यह सराकर मायावती को गिराने की साजिश कर रही है और सी.बी.आई. से जांच की बात कर रही है ।

मान्यवर, मैं आपको बताना चाहता हूं कि सी.बी.आई. कब हरकत में आई? 18 मार्च तक सी.बी.आई. हरकत में नहीं आई, मामला दर्ज नहीं हुआ, यह असत्य केस था । लेकिन जब प्रजीडेट ने माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को प्रधान मंत्री बनने का और सरकार बनाने का न्यौता दिया, उसके बाद इस सरकार में जो जिम्मेदार लोग बैठे थे उन्होंने हमारी